

---

# Matrisnehah

---

मल्लरुनेहः

---

## Document Information

---



---

Text title : Matrisnehah

File name : mAtRRisnehaH.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Matrisnehah

---

मातृस्नेहः

---



सर्वशुविनां जन्मदायिनीं स्तन्यपायनाद् वृद्धिकारिणीं  
स्नेहलालनाद् तोषकारिणीं मातृदेवतां नौमि सादरम् ॥  
वृद्धिरागतौ पादयुग्मकौ वृद्धिरागता नासिकेति वा ।  
प्रतिदिनं तथा चिन्त्यते भुदा तनयपोषणं स्नेहपूर्णाया ॥  
यदि जिघासया रोदिति सुता यटुलमेत्य सा तोषवर्धिता ॥  
निजकरोष सा भोज्यपानकान् अतुलकौतुकं भोजयेच्चिरम्  
मातरं सदा वन्दनं कुरु मातरि सदा स्निध्यतु सधे ।  
मातृदेवतां दृष्टिगोचरं गणाय सादरं साधु देवतम् ॥  
कविता रचना - विजयन् वि. पट्टाभ्मी

---

Matrisnehah

pdf was typeset on August 12, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

